बीवी की सहेली प्रिया

लेखकः पार्थो सेनगुप्ता

यह कहानी मेरी बीवी की सहेली के साथ मेरे शारीरिक संबंध की है। मेरी बीवी और उसकी सहेली दोनों एक साथ एक ऑफिस में काम करती हैं। बीवी की सहेली मेरे पड़ोस में रहती है और उसका नाम प्रिया है। प्रिया एक हसीन औरत है। उसका रंग गोरा है और वोह लंबे-लंबे बाल और सुंदर शरीर वाली है। मैं उस औरत को "नमकीन" कहता हूँ। मैं जब भी प्रिया को देखता हूँ, मेरा लौड़ा खड़ा हो जाता है और मैंने कितनी ही बार उसके नाम पर मुठ मारी है। प्रिया एक शादी शुदा औरत है और उसको एक बच्चा भी है।

एक दिन मेरी बीवी ने मुझको कहा कि, "प्रिया के कमप्यूटर में कुछ खराबी आ गयी है... क्या तुम कुछ कर सकते हो? प्लीज़ उसकी मदद कर दो ना।" मैं भी ऐसे ही मौके की तलाश में था और मैंने फ़ौरन बीवी से कहा, "प्रिया से कहो कि अपना कमप्यूटर हमारे घर पर ले आये... मैं कमप्यूटर ठीक कर दूँगा।" एक शाम को प्रिया अपना कमप्यूटर मेरे घर पर ले आयी। मैंने उसको जाँच कर पाया कि उसके कमप्यूटर में कुछ "बैड सैक्टर" आ गये हैं। मैंने प्रिया को यह बात बता दी और कहा कि कमप्यूटर को फोरमैट करना पड़ेगा। प्रिया ने अपना कमप्यूटर फोरमैट करने की सहमती दे दी। मैंने फिर उससे पूछा, “कोई जरूरी फाइल तो नहीं है जिसका बैक-अप लेना है।”

प्रिया बोली कि, "कुछ वर्ड फाइल ‘माई डॉक्यूमेंट’ फोल्डर में है। हो सके तो उनका बैक-अप ले लीजियेगा।" फिर वो टी.वी वाले कमरे में मेरी बीवी के साथ जा कर बातें करने लगी। सबसे पहले मैंने उसके कमप्यूटर को अपने कमप्यूटर के साथ जोड़ दिया और उसके ‘माई डॉक्यूमेंट में से सारी फाइल अपने कमप्यूटर में ट्राँसफर कर दीं। फिर मैंने अपनी उत्सुक्ता से उसके कमप्यूटर में कोई सैक्सी फाइल ढूँढने लगा और मुझको उसके कमप्यूटर

Hindi Fonts By: SINSEX XBoard.us

में छुपी फाइलों में कुछ नंगी तस्वीरें मिली और साथ में करीब ४०-५० सैक्सी कहानियाँ भी थीं। मैंने उन फाइलों को भी अपने कमप्यूटर में कॉपी कर लिया और फिर उसके कमप्यूटर को फोरमैट कर दिया। फिर मैंने विंडो कॉपी कर दी। उसके बाद मैंने उसकी सब फाइलें अपने कमप्यूटर से उसके कमप्यूटर पर कॉपी कर दी और साथ में अपनी कमप्यूटर से भी कुछ नंगी तस्वीरों की फाइलें और कहानी की फाइलें भी कॉपी कर दी। इन सब काम में मुझको करीब २ घंटे लग गये और इस दौरान प्रिया मेरे बीवी से बातें करती रही।

मैंने सब काम खतम करने के बाद प्रिया को बुलाया और अपने कमप्यूटर को चैक करने के लिये कहा। वो मेरे कमरे में मेरी बीवी के साथ आयी और बोली, “अगर आप को तसल्ली है तो ठीक ही होगा।” तो मैंने कहा, “हाँ मेरे ख्याल से आपका कमप्यूटर अब बिल्कुल ठीक है और फिर आपको दिक्कत नहीं देगा।” फिर मैंने अपनी बीवी से कमप्यूटर से धूल साफ़ करने के लिए हेयर ड्रायर लाने को कहा। जैसे ही मेरी बीवी कमरे के बाहर गयी, मैंने प्रिया से कहा, “आपकी वर्ड फाइलें सब उसी फोल्डर में हैं और आपके कमप्यूटर में कुछ तस्वीरें भी थीं... मैंने उनको भी आपके कमप्यूटर में फिर से कॉपी कर दिया है।” फिर मैंने उसके कमप्यूटर पर वो तसवीर की फाइल खोल दी। वो उन तस्वीरों को देख कर बहुत हैरान हो गयी और तब मैंने उससे कहा, “आपका संग्रह बहुत ही अच्छा है... खास कर कहानियों का संग्रह। मैंने आपके कमप्यूटर से आपका संग्रह अपने कमप्यूटर पर कॉपी कर लिया है। आशा है की आप बुरा नहीं मानेंगी।” मेरी इन सब बातों को सुन कर वो बहुत ही शर्मा गयी और मेरे से नज़रें चुराने लगी और अपनी नज़र को झुकाते हुए बोली, "प्लीज़ यह बात आप किसी से भी नहीं कहियेगा।" उसकी ज़ुबान कुछ लड़खड़ा रही थी। मैंने उससे कहा, "आप बिल्कुल मत घबड़ाइए। मेरे पास ऐसी बहुत सी तस्वीरें और कहानियाँ हैं और उनमें से मैंने कुछ आपके कमप्यूटर में कॉपी कर दी हैं।" फिर मैंने उसको अपने कमप्यूटर स्क्रीन पर देखने को कहा। तब प्रिया बोली, "प्लीज़ वो (मेरी

बीवी) आ रही है, कमप्यूटर को बंद कर दीजिये।" मैंने उसकी कमप्यूटर की धूल हेयर ड्रायर से साफ़ कर दी और वो अपना कमप्यूटर लेके चली गयी। लेकिन उसके जाने से पहले मैंने उसको धीरे से कहा कि, "क्या हमलोग अपने संग्रह की अदला-बदली कर सकते हैं? मुझको कहानियाँ चाहिए और मैं आपको तसवीरें दूँगा।" वो कुछ बोली नहीं और चली गयी। उसके बाद हमारे घर पर करीब एक हफ़्ते तक नहीं आयी।

एक हफ़्ते के बाद वो हमारे घर पर आयी। मैंने दरवाजा खोला, लेकिन वो मुझसे बिना नज़रें मिलाए अंदर चली गयी और मेरी बीवी के पास बैठ कर उससे बातें करने लगी। कुछ देर के बाद मेरी बीवी मेरे कमरे में आयी और बोली, "प्रिया कह रही है कि उसको VGA ड्राईवर की फाइल चाहिए और उसने अपनी एक फ्लॉपी दी है फाइल कॉपी कर के देने के लिए" और मेरी बीवी ने मुझे एक फ्लॉपी दी। मैं फौरन बात समझ गया और बोला, "उसको रुकने के लिए बोलो और मैं अभी फाइल कॉपी कर देता हूँ।" जैसे ही मेरी बीवी बाहर गयी, मैंने फ्लॉपी को अपने कमप्यूटर से खोला और पाया की उसमें कुछ देसी वेबसाइट्स की कहानियाँ हैं। मैंने उन कहानियों को अपने कमप्यूटर पर कॉपी कर लिया और मेरे कमप्यूटर पर से कुछ तसवीरों की फाइल प्रिया की फ्लॉपी पर भी कॉपी कर दी। उसके बाद मैंने एक टेक्स्ट फाइल उसकी फ्लॉपी में बना कर लिखा, "धन्यवाद, मैंने आपकी कहानियाँ पढ़ीं। कहानियाँ बहुत ही अच्छी और सैक्सी थी। आपको तसवीरें कैसी लगीं?" फिर मैं उसके पास गया और उसको फ्लॉपी दे दी। उसने मेरी तरफ ना देखते हुए मुस्कुरा कर मेरे से अपनी फ्लॉपी ले ली। इसके बाद बहुत दिनों तक वो हमारे घर पर नहीं आयी। मेरी बीवी ने मुझसे कहा, प्रिया को फ़्लू हो गया है और वो छुट्टी पर है। फिर एक दिन सुबह फोन पर मेरी ससुराल में किसी के मरने की खबर मिली। मेरे ऑफिस में काम की वजह से मुझको छुट्टी नहीं मिल सकी तो हम लोगों ने यह तय किया कि मेरी बीवी हमारे बच्चों के साथ अपने मायके चली जायेगी। मैं उसी सुबह बीवी और बच्चों को एयरपोर्ट छोड़ने चला गया और उनके जाने के बाद मैं घर

वापस आ गया। हम लोगों को सुबह–सुबह जाते समय प्रिया ने देख लिया था और जैसे ही मैं घर वापस आया वो हमारे घर पर पूछताछ करने आ गयी।

मैंने दरवाजा खोला और मुझको देखते ही वो शर्मा गयी। वोह काफी सज–धज कर आयी थी। मैंने उसको हेलो बोल कर अंदर आने के लिए कहा। अपने खाली घर में प्रिया को अकेली देख कर मेरा लंड धीरे धीरे खड़ा होना शुरू हो गया। प्रिया ने मेरी बीवी के बारे में पूछा तो मैंने उसको सारी बात बता दी। मेरी बात सुन कर और यह जान कर कि मेरी बीवी घर पर नहीं है, वो घबड़ा गयी और मुझसे बोली, "मैं फिर आऊँगी।" फिर उसने मुझको एक फ्लॉपी दी और बाहर जाने के लिये मुड़ी।

"सुनिए, मैं इस फ्लॉपी से आपकी फाइल अभी कॉपी कर लेता हूँ और आपको भी अपने कमप्यूटर से कुछ फाइल कॉपी कर देता हूँ," मैंने उससे कहा।

"मैं बाद में ले लूँगी" उसने कहा। मैं यह मौक चूकना नहीं चाहत था और उससे पूछा, "आप मुझसे डरती हैं क्या?"

"न... न... नहीं, असल में मुझे घर में कुछ काम करना है," उसने कहा। अब तक सुबह के साढ़े दस बज चुके थे और मुझको पता था कि उसका पति और बच्चा अपने अपने ऑफिस और स्कूल जा चूके हैं।

"मुझे मालूम है कि घर पर कोई काम नहीं है और आप मुझसे डर रही हैं," मैंने उससे कहा लेकिन उसने कोई उत्तर नहीं दिया और अपना चेहरा दूसरी तरफ घुमा कर मुझसे नज़रें चुराने लगी। "आपके आने के पहले मैं चाय बना रहा था। चलिए हम लोग साथ बैठ कर चाय पीते हैं और मैं फाइलें कॉपी कर लेता हूँ," और उसके कुछ कहने के पहले मैंने घर का

दरवाजा बंद कर दिया और उससे कहा, "आइये बैठिए, हम मिल कर चाय पीते हैं।" अब तक मैं यह समझ गया था कि उसको मेरे साथ रहना पसंद है। मैं प्रिया को हमारे कमरे में लाया और अपने कमप्यूटर को चालू कर दिया। मैंने उसकी फ्लॉपी को अपने कमप्यूटर में डाला और उसमें से कहानियाँ कॉपी करने लगा। मैंने उसको एक कुर्सी दी और बैठने के लिए कहा। वो कुर्सी पर बैठ गयी। मैंने अपने कमप्यूटर पर नंगी तसवीरों का अपना संग्रह खोला और उससे कहा, "मैं चाय लाने जा रहा हूँ, तब तक आप अपनी पसंद की फाइलें अपनी फ्लॉपी में कॉपी कर लिजिए।" उसने शर्मा कर अपना सिर हिला कर अपनी सहमती जतायी। मैं कमरे के बाहर से निकल कर रसोई में गया और २ कप चाय बनाने लगा। जब मैं चाय बना कर वापस आया तो वो मेरे कमप्यूटर से तसवीरें कॉपी कर रही थी और कमप्यूटर स्क्रीन पर तसवीरें खुली थी। उसने जब मुझको देखा तो जल्दी से तसवीरें बंद करना चाहा। चूँकि तसवीरों की कॉपी चल रही थी इसलिए तसवीरें बंद नहीं हुईं।

वो घबड़ा गयी और शरम के मारे फ़ौरन अपने हाथ से अपना चेहरा ढक लिया और चेहरे को दोनों घुटनों के बीच छिपा लिया। मैंने आगे बढ़ कर चाय मेज पर रखी और उसके कँधों को पकड़ कर उसको कुर्सी से उठाया। वो जोर लगा कर मेरा हाथ हटाना चाहती थी, लेकिन मैंने भी जोर लगा कर उसको कुर्सी से उठा लिया। वो मेरे सामने अपने हाथों से चेहरा छिपाए खड़ी हो गयी। मैं उसको खींच कर अपने पास ले आया और उसको अपनी बाँहों में भर कर जकड़ लिया। उसका शरीर काँप रहा था और उसकी साँसें उखड़ रही थी। मैंने उसकी गर्दन और कान के पीछे चुम्मा दिया और उसके कान पर मुँह लगा कर धीरे से कहा, "प्रिया तुम बहुत ही सुंदर हो। क्या तुम्हें मालूम है कि मैं हमेशा तुम्हारे बारे में ही सोचता हूँ? तुम मेरे सपनों में हमेशा आती हो और तुम ही मेरे सपनों की रानी हो, मैं तुमसे प्यार करता हूँ।" इसके साथ मैंने उसके कान को अपनी जीभ से चाटना शुरू कर दिया और वो मेरी बाँहों में खड़ी खड़ी काँप रही थी। मैंने उसके चेहरे

Hindi Fonts By: SINSEX XBoard.us

को अपने हाथों से ऊपर किया और उसके चेहरे से उसके हाथों को हटाया। वो बहुत शर्मा रही थी और उसकी आँखें बंद थीं और उसके होंठ आधे खुले थे।

मैंने अपने होंठ उसके होंठों पर रख दिए और उसके मुँह में अपनी जीभ डाल दी और उसको फिर से अपनी बाँहों में भर कर भींच लिया। उसने अपने चेहरे से अपने हाथों को हटा कर मुझे जकड़ लिया और अपनी जीभ मेरे मुँह में डाल दी। मैंने अपना दाँया हाथ उसके चूत्तड़ों पर ले जा कर उसको अपने और पास खींच लिया। मेरा लंड अब तक पूरी तरह से तन्ना गया था और उसकी जाँघों के अंदर घुसना चाह रहा था। उसने मेरी जीभ को अपने दाँतों तले हल्का सा काट लिया और अपने होंठ मेरे होंठों से हटा कर मेरी गरदन पर रखे और वहाँ हल्के से दाँत गड़ कर काँपती हुई आवाज में बोली, "अगर तुम्हारी बीवी को यह बात पता चल गयी तो?" मैं उसके गलो को चूमते हुए बोला, "हम लोग यह बात किसी से भी नहीं कहेंगे, प्रिया मैं तुमको दिल से प्यार करता हूँ।" मैंने अब फिर से उसके मुँह में अपनी जीभ डाल दी और वो मेरी जीभ को चूसने लगी। थोड़ी देर मेरी जीभ को चूसने के बाद वो मुझसे बोली, "हाँ, मैं भी तुमको अपने दिल से प्यार करती हूँ।"

"तुम मुझसे क्यों डरती हो" मैंने उससे पूछा।

"मुझे मालूम नहीं" उसने उत्तर दिया।

मैंने अपना दाँया हाथ उसकी चूंची पर रखते हुए कहा, "मुझे मालूम है, तुम मुझसे क्यों डरती हो। तुम्हें डर इस बात का है मैं तुम्हें चोद दूँगा।" मैंने कुछ चुप रहने के बाद उससे कहा, "क्या मैं सही बोल रहा हूँ?"

वो एक लम्बी साँस लेने के बाद अपना सिर हिला कर हाँ बोली।

"क्या मैं तुम्हें चोद सकता हूँ?" मैंने उससे कहा और उसकी चूंची को जोर से दबा दिया।

वो एक सिसकारी मारके मुझसे बोली, "नहीं तुम मुझे नहीं चोद सकते।"

मैंने उसकी चूंची और जोर से दबा कर पूछा, "क्यों? मैं क्यों नहीं तुम्हें चोद सकता?"

प्रिया ने तब मेरे कान को अपने मुँह में लिया और हल्का दाँत लगाया और धीरे से बोली, "जरा धीरे से दबाओ, मुझको दर्द हो रहा है।"

"मैं तुम्हें क्यों नहीं चोद सकता?" मैंने फिर से पूछा।

"क्योंकि तुम मेरे पति नहीं हो... सिर्फ़ पति ही अपनी बीवी को चोद सकता है," वो अपनी सैक्सी आवाज में मुझसे बोली। मैंने अपना हाथ उसके ब्लाऊज़ में डाल कर उसकी चूंची को पकड़ कर मसलना शुरू किया। उसकी चूंची बहुत सख्त थी और उसके निप्पल खड़े थे।

"हाय मेरी जान! प्यार करने वाले शादी के बिना भी चुदाई कर सकते हैं," मैंने उसकी चूंची मसलते हुए कहा।

"लेकिन यह पाप है" उसने उत्तर दिया।

मैंने उसके निप्पल अपनी अँगुली के बीच ले कर मसलते हुए कहा, "यह पाप करने में बहुत मज़ा है, मेरी जान... प्लीज़ मुझे चोदने दो। प्लीज़ चोदने दो ना" और मैं उसकी चूंची को कस कर दबाते हुए उसके होठों को पागलों की तरह चूमने लगा। उसने कोई उत्तर देने की बजाय मेरे मुँह में

Hindi Fonts By: SINSEX XBoard.us

अपनी जीभ डाल दी। मैंने उसकी जीभ को थोड़ी देर के लिए चूसा और फिर कहा, "प्रिया मेरे लंड को अपने हाथों में पकड़ कर देखो कि वो कैसे तुम्हारी चूत में घुसने के लिए पागल हो रहा है" और इतना कहने के बाद मैंने अपनी पैंट उतार दी। पहले तो प्रिया कुछ सकपकायी लेकिन थोड़ी देर के बाद उसने मेरे लंड को अपने हाथों से पकड़ लिया। उसने जैसे ही मेरा लंड अपने हाथों से पकड़ा, उसकी कँपकँपी छुट गयी और मुझे अपने दूसरे हाथ से बाँधते हुए बोली, "यह तो बहुत ही लंबा और मोटा लंड है। मैंने अब तक इतना बड़ा और मोटा लंड नहीं देखा है।" वो मेरा लंड एक हाथ से पकड़ कर मरोड़ने लगी और फिर धीरे से बोली, "मेरी चूत भी इस लंड की लिए बेकरार है। अब जल्दी से मुझे चोदो।" फिर उसने मेरे लंड पर से अपना हाथ हटा कर मेरा शर्ट उतारना शुरू कर दिया। मैंने उसको मेरी शर्ट उतारने में मदद की। फिर उसने मेरी पैंट और अंडरवीयर भी उतार कर मुझे पूरी तरह से नंगा कर दिया। तब मैंने उसका ब्लाऊज़ और ब्रा उतार दी और उसकी चूंची को नंगी कर दिया। फिर मैंने उसकी साड़ी और पेटीकोट और पैंटी भी उतार दी। अब वो भी मेरे सामने पूरी तरह से नंगी खड़ी थी। उसने सिर्फ अपने गले में नेकलेस और पैरों में हाई हील के सैंडल पहने हुए थे।

उसने मेरे लंड को फिर से अपने हाथों से पकड़ लिया और मेरा लंड अपनी चूत की तरफ खींचने लगी। मैं भी अब उसकी चूत को अपने हाथों से मसलने लगा। उसकी चूत एक दम साफ थी और इस समय उसकी चूत में से हल्का हल्का लसलसा–सा पानी निकल रहा था। मैंने उसकी चूत में अपनी दो अँगुली एक साथ डाल दीं और अँगुली चूत के अंदर बाहर करने लगा। मेरी अँगुली की चुदाई से वो बहुत ही गरमा गयी और बड़बड़ाने लगी, "हाय, मेरे राजा, मेरी चूत को तुम्हारे लंड की जरूरत है। तुम अपनी अँगुली मेरी चूत से हटा कर उसमें अपना लंड घुसेड़ दो और मेरी चूत को अपने लंड से भर दो। मैं चुदास के मारे मारी जा रही हूँ। जल्दी से मुझको बिस्तर पर डालो... मेरे पैरों को अपने कँधों पर रख कर मेरी चूत की चुदाई

===

कर दो। जल्दी से मुझको अपना लंड खिलाओ और रगड़ कर चोदो मुझे।" मैंने उसके चूत्तड़ों पर हाथ रख कर उसको अपनी बाँहों में उठा लिया और उसको बिस्तर पर डाल दिया। बिस्तर पर डालने के बाद मैंने उसकी एक चूंची को अपने मुँह में भर कर चूसना शुरू किया और दूसरी चूंची को अपने हाथों से मसलने लगा। प्रिया तब मेरे चेहरे को अपने हाथों से अपने चूंची पर दबाने लगी। मैं करीब १०-१५ मिनट तक उसकी चूंची चूसता रहा और इस दौरान प्रिया मुझसे अपनी चूत में लंड डालने को कहती रही।

फिर मैं धीरे-धीरे उसका पेट चाटते हुए उसकी चूत पर अपना मुँह ले गया। प्रिया ने अपनी चूत पर मेरा मुँह लगते ही अपनी टाँगों को फ़ैला कर अपने हाथों से पकड़ लिया। मैं उसकी चूत का चुम्मा लेने लगा। फिर मैं उसकी चूत में अपनी जीभ घुसा कर उसकी चूत चूसने लगा। उसकी चूत के अंदर मेरी जीभ घुसते ही उसने मेरे चेहरे को अपनी चूत पर दबा लिया और अपनी कमर उठा-उठा कर अपनी चूत मुझसे चुसवाने लगी। फिर थोड़ी देर के बाद वो मुझसे बोली, "जल्दी से तुम ६९ की मुद्रा में लेटो, मुझको भी तुम्हारा लंड चूसना है।"

यह सुन कर मैंने उससे कहा, "यह तो बहुत ही अच्छी बात है... लो मैं अभी तुमको अपना लंड चूसने के लिए देता हूँ," और मैं तुरंत ही ६९ मुद्रा में उसके ऊपर लेट गया। अब मेरी आँखों के सामने उसकी चमकती हुई चूत बिल्कुल खुली हुई थी। मैंने अपनी जीभ उसकी चूत के अंदर तक घुसेड़ दी और उसकी चूत से निकल रहे मीठे मीठे रस को चूस चूस कर पीने लगा। उधर प्रिया भी मेरे लंड को अपने रसीले होंठों में भर कर चूस रही थी। मैंने अपनी कमर को हिला कर अपना पूरा का पूरा खड़ा लंड उसके मुँह में घुसेड़ दिया। थोड़ी देर तक मैंने उसकी चूत को अंदर और बाहर से चाटा और चूसा। चूत चुसाई से उसकी चूत दो बार रस छोड़ चुकी थे जिसको मैंने बड़े ही चाव से चाट चाट कर पिया। इस समय प्रिया एक खेली खायी रंडी की तरह से मेरा लंड अपने मुँह में भर कर चूस रही थी

===

और मैं भी अपनी कमर हिला कर अपना लंड उसको चुसवा रहा था। हम लोग इसी तरह काफी देर तक एक दूसरे का लंड और चूत चूसते रहे। फिर मुझे लगा कि मेरा अपना रस छूटने वाला है और यह बात मैंने प्रिया से बतायी और कहा, “मेरा लंड अपने मुँह से निकाल दो।” लेकिन उसने मेरे चूत्तड़ों को जोरदार तरीके से पकड़ लिया और मेरा लंड अपने दाँतों से हल्के हल्के काटने लगी। इस से मेरी गर्मी और बढ़ गयी मेरे लंड ने उसके मुँह के अंदर उल्टी कर दी और उसके मुँह को अपने पानी से भर दिया। वो मेरा लंड अपने मुँह में ही रखे रही और लंड क सारा पानी पी गयी और मेरे लंड को अपनी जीभ से चाट–चाट कर साफ़ भी कर दिया।

उसकी इस जबरदस्त चुसाई से मेरा लंड फिर से खड़ा हो गया। तब उसने मुझको उठने के लिए कहा और मैं उठ कर उसके पैरों के बीच बैठ गया। वो भी उठ गयी और मेरा लंड पकड़ कर बोली, "अब मैं और नहीं रुक सकती। जल्दी से अपना लंड मेरी चूत में डाल दो और मेरी चूत को अपने लंड के धक्कों से फाड़ दो।" मैंने उसकी टाँगों को उठा कर अपने कँधों पर रख लिया और उसकी चूत के दरवाजे पर अपना लंड टिका दिया। उसकी चूत इस वक्त बहुत ही गीली और गरम थी। मैं उसकी चूत के दरवाजे पर लंड रखके उसके ऊपर लेट गया और उसकी एक चूंची को पकड़ कर उसके मुँह में अपनी जीभ डाल दी। प्रिया मुझको अपने चारों हाथ–पैर से जकड़ कर अपने चूत्तड़ उछालने लगी। मैंने उसकी चूत में अपना लंड एक ही झटके से डाल दिया। उसने मेरे गालों को काट लिया और चिल्ला कर बोली, "ऊईईईईईईई हाय बहनचोद तूने मेरी चूत फाड़ दी हाय।" उसकी चूत बिल्कुल कुँवारी लड़की की तरह तंग थी। उसने अपनी टाँगें मेरी कमर पर रख दीं। मैं उसकी चूंची को सहलाने लगा और कभी–कभी उसके निप्पल अपने मुँह में भर कर चूसने लगा। प्रिया चुपचाप पड़ी रही और थोड़ी देर के बाद अपनी सैक्सी आवाज में बोली, "ऊईईईई, उफफ कितना मोटा लंड है... ऐसा लगता है कि गधे का लंड हो।"

मैंने कहा, "गधे का लंड इतना छोटा नहीं होता... तुम्हारी चूत ज़्यादा तंग है इसलिए तुम्हें मेरा लंड मोटा लग रहा है" और मैं अपना लंड उसकी चूत के अंदर बाहर करने लगा। प्रिया मेरे चुदाई शुरू करते ही बोली, "ओह जानू... अभी नहीं हिलो... मुझे दर्द हो रहा है... पहले मेरी चूत को अपने लंड से दोस्ती कर लेने दो... ज़रा दर्द कम हो तो फिर इस को चोदना"। थोड़ी देर के बाद प्रिया मुझे चुम कर फिर बोली, "ओह मेरी जान, मुझे तुम्हारा लंड बहुत पसंद आया। मुझे अब तक इतने मोटे, लंबे और सैक्सी लंड से चुदवाने का अवसर नहीं मिला। बस अब तुम मुझको जोरदार धक्के मार मार कर खूब चोदो। अब ये चूत तुम्हारी है... इसको जैसे चाहो अपना लंड पेल-पेल कर चोदते रहो।" मैं प्रिया की बात मानते हुए उसकी चूत में लंड दनादन पेलता रहा और अपने दोनों हाथों से उसकी चूंची मसलता रहा। मैं इस समय प्रिया की चूत एक पागल कुत्ते की तरह चोद रहा था।

शुरू के दस मिनट तक प्रिया मुझे चोदने में पूरा साथ देती रही पर बाद में मेरे कँधों पर पैर रख कर आँखें बंद करके चुपचप लेट गयी। उसकी सैंडल के बकल मेरी गर्दन पर खरोंच रहे थे। थोड़ी देर के बाद मैं जब झड़ने को हुअ तो मैंने अपनी कमर चलाना बंद कर दी और उससे कहा, “मैं अब अपना लंड निकाल कर तुम्हारे पेट के ऊपर झड़ने वाला हूँ।” प्रिया ने मेरी बात सुनते ही मुझे और जोर से अपने हाथों से बाँध लिया और बोली, "खबरदार, अपना लंड मत निकालना। तुम मेरी चूत के अंदर ही अपना पानी छोड़ो। मैं रोज माला-डी खाती हूँ। तुम अपने पानी से मेरी चूत को भर दो। मुझे तुम्हारे पानी से अपनी चूत भरनी है।" मैंने उसकी बातों को सुन कर चोदने की स्पीड फिर से तेज कर दी और उसकी चूत में अपना लंड जल्दी-जल्दी से अंदर बाहर करने लगा। थोड़ी देर के बाद मेरे लंड ने प्रिया की चूत के अंदर पिचकारी छोड़ दी और उसकी चूत मेरे पानी से भरने लगी।

प्रिया भी मेरे झड़ने के साथ साथ झड़ गयी। वो अपनी चूत सिकोड़-

सिकोड़ कर मेरे लंड का पानी निचोड़ने लगी। थोड़ी देर मैं अपना लंड प्रिया की चूत से बिना निकाले उसके उपर लेटा रहा और प्रिया को फिर से चूमने लगा और हाथों से उसकी चूंची को दबाने लगा। कुछ देर के बाद मैं प्रिया की एक चूंची अपने मुँह में भर कर चूसने लगा। करीब दस मिनट के बाद प्रिया फिर से मुझको अपने हाथों से बाँध कर मुझको चूमने लगी और थोड़ी-थोड़ी देर के बाद मेरे कान पर अपने दाँत से हल्के-हल्के काटने लगी। फिर वोह मुझसे बोली, "हाय मेरे चोदू राजा, आज तक किसी ने चुदाई में मुझे इस तरह खुश नहीं किया है। मुझे तुम्हारा चुदाई का औजार और तुम्हारा चुदाई का तरीका बहुत पसंद आया और सबसे अच्छी बात चुदाई के दौरान गंदी-गंदी बात करना अच्छा लगा। चूत मरवाते वक्त मुझे गंदी-गंदी बात सुनने और गंदी-गंदी बात करने में बहुत मज़ा आता है... लेकिन मेरा आदमी कभी भी मुझे चोदते समय गंदी-गंदी बात नहीं करता है। वो तो बस सोने के पहले लाईट ऑफ करके मेरी साड़ी और पेटीकोट उठा कर मेरी चूत में अपना लौड़ा डाल कर १०-१५ धक्के मारता है और झड़ जाता है। मैं तब तक गरम भी नहीं होती हूँ। फिर रात भर वो मेरी तरफ अपनी गाँड करके सोता रहता है और मैं अपनी अँगुली से अपनी चूत का पानी निकालती हूँ।"

मैंने तब प्रिया की चूंची को मसलते हुए कहा, "तुम भी तो चुदाई के दौरान खूब गंदी- गंदी बात करती हो और यह मुझे बहुत पसंद आया... अपने पति के अलावा और कितने लंड लिए हैं तुमने अपनी चूत में... काफी खेली-खायी लगती हो तुम।"

“मुझे मौका ही कहाँ मिलता है.... शादी से पहले तो मैं कॉलेज में खूब चुदवाती थी पर शादी के बाद से तो बस कभी कधार ही किसी और से चुदवाने का मौका मिलता है... पर जब भी बगैर खतरा उठाये चुदवाने का मौका मिलता है मैं छोड़ती नहीं हूँ।” यह कहकर उसने अपनी जीभ मेरे मुँह में डाल दी और मैंने उसकी जीभ चूसते हुए उसके मुँह में अपना थूक

डाल दिया। इसके साथ मेरा लंड फिर से खड़ा होने लगा और वो प्रिया की चूत में उछलने लगा।

फिर प्रिया ने अपनी सैक्सी आवाज में मुझसे पूछा, “क्या तुम मुझसे और गंदी बात सुनना चाहोगे?"

मैंने उसकी चूंची को जोर से मसलते हुए कहा, "क्यों नहीं, जरूर। चलो शुरू हो जाओ गंदी–गंदी बात करना।"

तब प्रिया मेरे सीने में अपना मुँह छिपाती हुई बोली, "आज तुम मेरी गाँड मारो। मैं तुम्हारा लंबा और मोटा लंड अपनी गाँड को खिलाना चाहती हूँ। मुझे तुम्हारा लौड़ा अपनी कुँवारी गाँड के अंदर लेना है।" मैं उसकी बात सुन कर बहुत उत्तेजित हो गया और मेरा लंड उस्की चूत के अंदर उछलना शुरू हो गया। मैंने उसके होठों को चूमते हुए उससे कहा, "हाँ, मुझे भी औरतों की गाँड में लंड पेलने में मजा आता है। मुझे तुम्हारी मोटी–मोटी गाँड के अंदर लंड डाल कर चोदने में बहुत मज़ा आयेगा।"

फिर प्रिया बोली, "मैंने बहुत बार अपने हसबैंड से मेरी गाँड मारने के लिए कहा, मगर मेरा हसबैंड मेरी गाँड नहीं मारना चाहता है। उसको बस मेरी चूत के अंदर लंड पेलने में ही मज़ा आता है।" वो आगे बोली, "मेरी बहुत सी सहेलियों को भी गाँड मरवाने का शौक है लेकिन उनके पति भी उनकी गाँड नहीं चोदते।" मैंने तब अपना लंड प्रिया की चूत से निकाला। मेरा लंड इस समय प्रिया की चूत के रस से सना हुआ था और इस लिए वो चमक रहा था। प्रिया ने मेरे लंड को देखते ही उसे अपने मुँह में भर लिया और उसको चूसने लगी। जब तक प्रिया मेरा लंड चूस रही थी मैं अपनी एक अँगुली से उसकी गाँड खोदता रहा।

थोड़ी देर लंड चूसने के बाद प्रिया कुत्तिया की तरह पलंग पर अपने हाथों

Hindi Fonts By: SINSEX XBoard.us

और घुटनों के बल झुक गयी और अपने हाथों से अपने चूत्तड़ों की फाँक को खींच कर अपनी गाँड मेरे सामने खोल दी। फिर वोह मुझसे अपने लंड को उसके मुँह के सामने लाने के लिए बोली। मैंने जैसे ही अपना लंड प्रिया के मुँह के सामने किया तो प्रिया ने उस पर अपने मुँह से ढेर सारा थूक निकाल कर मेरे लौड़े पर अच्छी तरह से लगाया। मेरा लंड तो पहले से ही उसकी चूत के पानी से लसलसा रहा था। तब प्रिया मुझसे बोली, "आओ मेरे चूत के राजा, अब तक तुमने मेरी चूत का आनंद लिया अब तुम मेरी गाँड मार कर मुझे गाँड से लंड खाने क मज़ा दो। आज मेरी बहुत दिनों की गाँड चुदवाने की तमन्ना पूरी होने जा रही है। अगर तुमने मेरी गाँड मार कर मुझे खुश कर दिया तो मैं अपनी और सहेलियों की चूत और गाँड तुमसे चुदवाऊँगी। मेरी बहुत सी सहेलियाँ शादी के पहले से गाँड मरवा कर गाँडू बन गयी हैं। चलो अब तुम पहले मेरी गाँड चोदो, सहेलियों की बात बाद में होगी।" प्रिया की इन सब बातों से मैं बहुत उत्तेजित हो गया और उसके पीछे अपना खड़ा लंड ले कर बैठ गया। प्रिया ने अपना चेहरा तकिये में छिपा लिया और अपने हाथों से अपने चूत्तड़ पकड़ कर मेरे सामने अपनी गाँड का छेद पूरी तरह से खोल दिया। मैंने उसकी गाँड के छेद पर अपने मुँह से थोड़ा थूक लगाया और अपने लंड को उसकी गाँड के छेद पर रख कर रगड़ने लगा। प्रिया मेरी तरफ अपना चेहरा घुमा कर बोली, "देखो, आज मैं पहली बार अपनी गाँड को लंड खिला रही हूँ। मेरी गाँड अभी तक बहुत टाईट है... इसलिए पहले बहुत धीरे धीरे मेरी गाँड मारना... नहीं तो मेरी गाँड फट जायेगी और मुझको बहुत दर्द होगा।"

करीब पाँच मिनट तक रगड़ने के बाद मैंने अपना लंड प्रिया की गाँड के छेद में घुसेड़ना चाहा, लेकिन उसकी गाँड अभी तक कुँवारी होने की वजह से काफी टाईट थी और मुझको अपना लंड घुसेड़ने में काफी तकलीफ महसूस होने लगी। फिर मैंने अपने दाहिने हाथ से अपना लंड उसकी गाँड के छेद पर लगा कर अपने बाँये हाथ से उसके एक निप्पल को जोर से मसल दिया। निप्पल मसले जाने से प्रिया जोर से चींखी "ऊऊई" और

उसने अपनी गाँड को ढील छोड़ दिया और मैंने अपने लंड क सुपाड़ा एक जोरदार धक्के से उसकी गाँड के छेद के अंदर घुसेड़ दिया। प्रिया अपनी गाँड को फिर से टाईट करना चाही, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। प्रिया बोली, "नो... नहींईंईं... प्लीज़"। चूँकि प्रिया की गाँड और मेरा लंड थूक से बहुत चीकना हो गया था, मेरा सुपाड़ा उसकी गाँड में धँस चुका था और मैंने उसकी दोनों चूंची कस कर पकड़ कर एक धक्के के साथ अपना पूरा का पूरा लंड उसकी कसी हुई गाँड के अंदर उतार दिया। मेरा पूरा का पूरा लंड प्रिया की गाँड में एक झटके के साथ घुस गया। प्रिया जोर से चींखी, "ऊऊऊऊईईईईईई ओ ओ ऊईईईईईई ओह ओह ऊई माँ! मैं मर गयी। ऊईई मेरी गाँड फट गयी ऊऊऊऊ हाय माँ ओई मेरी गाँड फट गयी। प्लीज़ बाहर निकाल लो।" प्रिया इतनी जोर से चींखी थी कि मुझको डर लगने लगा कि कोई सुन ना ले। मैंने उसके मुँह पर हाथ रखना चाहा, लेकिन प्रिया ने अपना मुँह तकिये में घुसा दिया। वो अब भी मारे दर्द से सुबक रही थी और बोल रही थी, "मेरी गाँड फाड़ दी, ऊईई मेरी गाँड फट गयी, बाहर निकालो नहीं तो मैं मर जाऊँगी।"

मैं उसकी चूंचियों को फिर से अपने हाथों से पकड़ कर मसलने लगा। प्रिया फिर मुझसे बोली, "प्लीज़ बाहर निकालो वरना मैं मर जाऊँगी।" मैंने उसकी चूंचियों को थोड़ा जोर दे कर दबाया और उससे कहा, "मैं तुम्हें मरने नहीं दूँगा, बस थोड़ी देर में ठीक हो जायेगा"। प्रिया अपना बाँया हाथ अपनी गाँड पर लायी और मेरे लौड़े को छू कर बोली, "उफफ यह बहुत मोटा है, इसने मेरी गाँड फाड़ दी हाय।" मैंने उसकी चूंचियों को और थोड़ा जोर देकर मसला और पूछा, "क्या बहुत मोटा है?"

प्रिया बोली, "यह जैसे तुमने मेरे अंदर मूसल डाल दिया है।"

मैंने फिर से पूछा, "यह क्या है, इस को क्या कहते हैं"

प्रिया मेरे आँडों को छूते हुए बोली, "मुझे नहीं पता, तुम्हें पता होगा।"

मैंने अपना लंड उसकी गाँड में और अंदर तक धँसाते हुए कहा, "मुझे तो पता है लकिन मैं तुम्हारे मुँह से सुनना चाहता हूँ"

"ओह नहीं बिल्कुल मत हिलो, नहीं... मुझे दर्द हो रहा है... बस आराम से अंदर डाल कर पड़े रहो।"

मैंने फिर से प्रिया से कहा, "पहले यह बताओ कि इस को क्या कहते हैं"

प्रिया मेरे आँडों को अपने हाथों से दबाती हुई बोली, "तुम बहुत बेशर्म हो, मुझसे गंदी बातें करवाना चाहते हो।"

मैंने कहा, "हाँ मैं तुमसे गंदी बातें करना चाहता हूँ, तुम ही तो कह रही थीं कि तुम्हें गंदी बातें करना और सुनना अच्छा लगता है... तो फिर बेशर्म हो जाओ और खुल कर गंदी बातें करो।"

प्रिया ने अपना चेहरा मेरी तरफ घुमाया और अपने दाँये हाथ से मेरे सिर को पकड़ कर अपने चेहरे के पास ले आयी। उसने मेरे कान पर चुम्मा दिया और मेरे कान मैं फुसफुसा कर बोली, "साले तेरा इतना मोटा लंड अपनी गाँड में ले कर बेशर्म बनी हुई तो हूँ, और क्या चाहता है तू।" वोह फिर से मेरे लंड को छू कर बोली, "तेरा लंड बहुत मोटा और लंबा है, मेरे पति का इतना बड़ा नहीं है।" उसके मुँह से गंदी बातें सुन कर मैं बहुत गरम हो गया और उसकी गाँड में अपना लंड धीरे-धीरे अंदर-बाहर करने लगा। प्रिया की गाँड इतनी टाईट थी कि लंड को अंदर-बाहर करने में काफी जोर लगाना पड़ रहा था।

प्रिया फिर चींखी और बोली, "ननन नहीं प्लीज़ हिलना नहीं, मुझे बहुत दर्द

हो रहा है, अभी ऐसे ही लेटे रहो... जब मेरी गाँड की तुम्हारे लंड से दोस्ती हो जाये तो फिर हिलना।"

मैंने अपना हाथ उसके पेट के नीचे ले जा कर उसकी चूत में अपनी अँगुली डाल दी। फिर थोड़ी देर के बाद मैं प्रिया की गाँड धीरे-धीरे चोदने की कोशिश करने लगा। वो चिल्ला रही थी, "ऊऊऊईईईईईई..... नहीं मैं मर जाऊँगी। मेरी गाँड फट जायेगी, प्लीज़ अभी अपने लंड को नहीं हिलाओ," लेकिन मैंने उसकी एक ना सुनी और उसकी गाँड जोर जोर से चोदने लगा। प्रिया मुझको गाली देने लगी, "भोंसड़ी के, बहनचोद, परायी गाँड मुफ्त में मारने को मिल गयी है... इसलिए मेरी गाँड फाड़ रहा है" मैं उसकी बातों पर ध्यान न देते हुए उसकी गाँड में अपना लंड पेल पेल कर चोदता रहा। थोड़ी देर के बाद प्रिया को भी मज़ा आने लगा और अपनी गाँड मेरे लंड के धक्कों के साथ आगे पीछे करने लगी। थोड़ी देर उसकी गाँड चोदने के बाद मुझे लगा कि मेरा वीर्य छूटने वाला है। मैंने उसके चूत्तड़ पकड़ कर अपने और पास खींचते हुए कहा, "ओह जानू, मैं अब छूटने वाला हूँ।"

तब प्रिया अपनी कमर को मेरे और पास ला कर लंड को अपनी गाँड के और अंदर लेती हुई बोली, "अब मज़ा आ रहा है, अपने लंड को मेरी गाँड के अंदर छूटने दो और मेरी गाँड को अपने लंड के अमृत से भर दो," और इसके साथ ही मैंने दो चार और तेज़-तेज़ धक्के मार कर उसकी गाँड के अंदर अपने लंड की पिचकारी छोड़ दी। प्रिया ने भी मेरे झड़ने के साथ ही अपनी चूत का पानी छोड़ दिया। मैं थोड़ी देर तक उसकी पीठ के ऊपर पड़ा रहा और फिर उसकी गाँड में से अपना लंड निकाला। मेरा लंड उसकी गाँड में से *"पुच"* की आवाज से बाहर निकल आया। प्रिया जल्दी से उठ कर बाथरूम की तरफ़ अपनी सैंडल खटपटाती हुई भागी और थोड़ी देर के बाद मैं भी बाथरूम में चला गया। प्रिया मेरे लंड को देखती हुई बोली, "देखो साला मेरी गाँड मार के कैसे मरे चूहे जैसा हो गया है।"

मैंने कहा, "कोई बात नहीं... मैं इस को फिर तैयार कर लेता हूँ।" अब तक मेरा लंड फिर से खड़ा होने लगा था।

प्रिया मेरे पास आयी और मुझको अपनी बाँहों में जकड़ कर मेरे होठों पर चुम्मा दे कर बोली, "मैं तुम्हें बताती हूँ की मैं कितनी बशर्म और गंदी हूँ" और फिर मुझको मेरे कँधों से पकड़ कर मुझको कमोड पर बैठने के लिए बोली। मैं उसकी बात मानते हुए कमोड पर बैठ गया। प्रिया तब मेरी जाँघों पर मेरी तरफ मुँह कर के बैठ गयी। मेरा लंड इस समय उसकी चूत के छेद पर अपना सिर मार रहा था। उसने मुझे फिर से अपनी बाँहों में जकड़ कर मेरे मुँह को चूमते हुए मेरे मुँह में अपनी जीभ घुसेड़ दी और मेरे लंड पर पेशाब करने लगी। मुझको प्रिया का यह अंदाज़ बहुत पसंद आया। उसके गरम–गरम पेशाब से मेरा लंड धुल रहा था। हम लोग इसी तरह कमोड पर बैठे रहे और जब प्रिया का पेशाब पूरा हो गया तो वो बोली, "मैंने तुम्हारा लंड गंदा किया था और अब मैंने इसको धो दिया है।”

मैंने उसको चूमते हुए कहा, "तुम वाकय बहुत बेशर्म हो।"

उसने उत्तर दिया, "तुमने बना दिया है।"

मैंने तब प्रिया से कहा, "उठो और अब तुम घोड़ी बनो... मैं अपने लंड से तुम्हारी गाँड धोता हूँ।"

प्रिया तब उत्तेजित होकर बोली, "हाँ, बहुत मज़ा आयेगा... पर पहले मैं तुम्हारे लंड को सुखा तो दूँ" और हम दनों खड़े हो गये और उसने झट से झुक कर मेरा लंड पकड़ कर अपनी जीभ उस पर ऊपर से नीचे तक फिराने लगी। मेरे लंड से अपना पेशाब चाटने के बाद वो घोड़ी बन कर कमोड पकड़ के अपनी गाँड ऊपर कर के खड़ी हो गयी। मैंने उसके चूत्तड़ों

की फाँकों को अलग करते हुए अपना लंड उसकी गाँड के छेद के सामने रखा। अपना लंड उसकी गाँड के सामने रखते हुए मैंने अपनी पेशाब की धार उसकी गाँड के छेद पर मारनी शुरू कर दी। जैसे ही मेरा गरम-गरम पेशाब उसकी गाँड के छेद पर पड़ा, प्रिया उत्तेजित हो कर बोली, "ओह जानू... बहुत मज़ा आ रहा है... मुझे आज से पहले चुदाने का इतना मज़ा नहीं आया। तुम भी मेरी तरह बहुत बेशर्म और गंदे हो, मुझे तुम्हारे जैसा मर्द ही चाहिए था जिस के साथ मैं भी बेशरम हो सकूँ।" उसके बाद हम दोनों एक साथ शॉवर के नीचे खड़े हो कर नहाए। प्रिया ने अभी भी अपने सैंडल पहने हुए थे। प्रिया ने मुझे और मैंने प्रिया को साबुन लगाया। फिर अपने अपने बदन तौलिये से पोंछ कर हम लोग बेडरूम में आ गये और फिर से एक दूसरे को चूमने-चाटने लगे। करीब दस मिनट तक एक दूसरे को चूमने और चाटने के बाद मैं उसकी चूंची पर अपना मुँह लगा कर फिर से उसकी चूंची पीने लगा।

मैं धीरे-धीरे प्रिया के पेट को चूमते हुए उसकी चूत पर अपना मुँह ले गया। चूत पर मेरा मुँह लगते ही प्रिया ने अपनी दोनों टाँगें फैला दीं और मेरे सिर को पकड़ कर अपनी चूत पर कसकर दबाने लगी। थोड़ी देर तक मैंने उसकी चूत को अपनी जीभ से चाटा और चूसा। मेरे द्वारा चूत चटाई से प्रिया बहुत गरम हो गयी और बैठे बैठे ही अपनी कमर उचकाने लगी। फिर वो मेरा चेहरा अपने हाथों से पकड़ कर अपने चेहरे के पास ले आयी और बोली, "मेरी जान, हम लोगों का रिश्ता क्या है।"

मैंने उसकी चूंची को मसलते हुए कहा, "तुम मेरी बीवी की सहेली हो और तुम्हारा पति मेरा दोस्त है। इस तरह से तुम मेरी साली और भाभी दोनों लगती हो।"

तब प्रिया मेरे होठों को चूमते हुए बोली, "तुम मुझको भाभी कह कर पुकारो। मुझे तुम्हारी भाभी बन कर चुदवाने में बहुत मजा मिलेगा। चलो

मुझको भाभी कह कर पुकारो और मुझे चोदो।"
उसकी यह बात सुन कर मैंने उसकी चूंची मसलते हुए कहा, "भाभी तुम बहुत ही सैक्सी और चुदक्कड़ हो। तुम्हारी चूत बहुत ही गरम है और चुदास से भरी है। मेरा लंड तुम्हारी चूत में घुसने के लिए खड़ा होकर झूम रहा है। भाभी मुझको तुमसे प्यार हो गया है।"

मेरी बात सुन कर प्रिया बिस्तर पे तकिया उठा कर अपने चूत्तड़ों के नीचे लगा कर मेरे सामने चित हो अपने पैर फ़ैला कर लेट गयी। मैं उसकी चूंची को पकड़ कर उसकी चूत को चाटने लगा। उसकी चूत की खुशबू बहुत ही अच्छी थी। करीब पाँच मिनट के बाद प्रिया ने मेरे कँधों को पकड़ कर मुझको अपने ऊपर से उठाया और बोली, "तुम अपने पैर मेरी तरफ कर लो... मुझको तुम्हारा लंड चूसना है।" हमलोग जल्दी से ६९ अवस्था में लेट गये और अपना अपना काम शुरू कर दिया। प्रिया बहुत अच्छी तरह से मज़े लेकर मेरा लंड चूस रही थी। हम लोग एक दूसरे के चूत और लंड करीब पाँच मिनट तक चूसते रहे। मैंने फिर प्रिया को उसकी टाँगें फ़ैला कर लेटने को कहा और उसके पैर अपने कँधों पर रख लिए। मैंने उसकी टाँगों को और फ़ैला कर उसके घुटनों से उसकी टाँगों को मोड़ दिया।

अब प्रिया की सैक्सी चूत मेरी आँखों के सामने खुली हुई थी। मैंने लंड पर थूक निकाल कर मला और लंड को प्रिया की चूत पर रख कर एक ही धक्के के साथ उसकी चूत के अंदर कर दिया। इसके बाद मैं उसकी चूंचियों को पकड़ कर उसकी चूत में अपना लंड पहले धीरे-धीरे और बाद में जोर-जोर से पेलने लगा। प्रिया भी अब नीचे से अपनी कमर उछाल कर मेरे हर धक्के का जवाब दे रही थी और मुझको अपनी बाँहों में भर कर चूम रही थी। थोड़ी देर के बाद प्रिया अपनी एक चूंची मेरे मुँह पे लगती हुई बोली, "मेरे चोदू सनम... मेरी चूत की चुदाई के साथ-साथ मेरी चूंची भी पियो... इसमें बहुत मज़ा मिलेगा और मेरी चूत भी और पनिया जायेगी।"

मैंने भी उसकी चूंची को चूसते हुए थोड़ी देर तक उसको चोदा और फिर रुक गया। मेरे रुकते ही प्रिया ने मुझे चूमते हुए कहा, "शाबाश, तुम बहुत ही अच्छे तरीके से चोदते हो। मैं तुम्हें बहुत पहले से चाहती हूँ लकिन मैं तुमसे दूर रहती थी कि कहीं तुम्हारी बीवी को मेरे इरादों का पता न चल जाए।"

मैंने कहा, "तो फिर आज क्यों मेरा लंड अपनी चूत में लिया हुआ है।"

प्रिया ने उत्तर दिया, "अब मुझ से सब्र नहीं हो रहा था, मुझे अपने पति से तसल्ली नहीं हो रही थी... वो ना तो तुम्हारी तरह मुझे चूदता है और ना ही वो मेरी चूत पे किस करता है और ना ही मेरी गाँड मारता है... मुझे गाँड मरवाने का बहुत शौक था.... साथ ही कई दिनों से किसी और से चुदवाने का मौका भी नहीं मिला... करीब दो महिने पहले तक ऑफिस का एक चपड़ासी मुझे चोदता था पर वोह भी नौकरी छोड़ कर चला गया।" उसने अपनी कमर को अब फिर से धीरे-धीरे चलाना शुरू किया और अपनी चूत से मेरा लंड पकड़ने की कोशिश करती हुई बोली, "मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं पहली बार चुद रही हूँ... तुम बहुत मज़े के साथ चोदते हो... अब धीरे-धीरे मेरी चूत चोदो।”

मैं फिर से उसको धीरे-धीरे चोदने लगा और उससे बोला, "तुम भी मुझे बहुत खूबसूरत लगती हो... मैं भी हर वक्त तुम्हें चोदने के बारे में सोचता रहता था... मुझे भी तुम्हारी चूत और गाँड ने बहुत मज़ा दिया है... मैंने पहली बार गाँड मारी है... तुम्हारी गाँड इतनी टाईट थी कि लग रहा था कि किस्सी १६ साल की कुँवारी लड़की की चूत हो।"

तब प्रिया बोली, "तुम्हारा मोटा लंड और मेरी टाईट चूत हम दोनों को बहुत मज़ा दे रहे हैं... अब मैं बहुत गरम हो गयी हूँ... अब मेरी चूत जोर-जोर से चोदो।" मैं भी अब तक उससे चुदाई की बातें करके बहुत गरम हो चुका था

और उसे दनादन चोदने लगा। तब वो बोली, "अपना थूक मेरे मुँह में डालो... यह बहुत मज़े का है।" मैंने भी तब प्रिया को चूमते हुए उसके मुँह में अपना ढेर सारा थूक डाल दिया। प्रिया अपनी चुदाई से मस्त हो कर बड़बड़ाने लगी, "आहह, ओह मज़ा आ गया और ज़ोर-ज़ोर से मेरी चूत चोदो... पूरा-पूरा लंड डाल कर चोदो... मैं तो अब तुम्हारे लंड की दीवानी हो गयी... अब तुम जब भी कहोगे मैं तुम्हारे लंड को अपनी चूत के अंदर ले लूँगी। चोदो... चोदो... ज़ोर-ज़ोर से चोदो... बहुत मज़ा आ रहा है। आज मेरी चूत की सारी खुजली मिटा दो... मेरी चूत फाड़ कर उसके चिथड़े-चिथड़े कर दो। बस तुम मुझे ऐसे ही चोदते रहो। भगवान करे आज का वक्त थम जाये और तुम मेरी चूत ऐसे ही चोदते रहो। हाय तुम्हारा लंड मेरी बच्चेदानी में ठोकर मार रहा है और मुझको बहुत मज़ा मिल रहा है।"

थोड़ी देर के बाद मेरा पानी छूटने को हुआ और मैंने प्रिया से कहा, "मेरी जान... मेरा लंड अब उल्टी करने वाला है... क्या मैं अपना लंड निकाल लूँ?"

प्रिया अपनी टाँगों से मेरी कमर को कस कर पकड़ते हुए अपनी कमर उचका कर बोली, "जान से मार दूँगी अगर अपना लंड बाहर निकाला... अपना लंड मेरी चूत में विसर्जित कर दो... जो होगा फिर देख लेंगे।" मैं तब उसकी चूत पर पिल पड़ा और उसकी चूत में अपना लंड पागलों की तरह अंदर बाहर करने लगा। थोड़ी देर के बाद मैं उसकी चूत के अंदर उसकी बच्चेदानी के ऊपर झड़ गया। मेरे झड़ने के साथ ही प्रिया ने अपनी चूत से मेरे लंड को निचोड़ लिया और वो भी झड़ गयी। मेरे लंड को उसने अपनी चूत के रस से नहला दिया और बोली, "ओह जनू... मज़ा आ गया... आज सय पहले इतना मज़ा नहीं आया था... मेरी चूत को तुम्हारा लंड बहुत पसंद आया है।"

अपनी लंबी चुदाई से हम दोनों अब तक बहुत थक चुके थे और इसलिए

हम दोनों एक दूसरे को अपनी बाँहों से जकड़ कर सो गये। करीब १ बजे हम लोगों की आँख खुली। हम दोनों नंगे ही सो रहे थे और प्रिया ने अभी भी अपने हाई हील सैंडल पहने हुए थे। आँख खुलते ही मेरा लंड फिर से प्रिया की चूत में घुसने के लिए खड़ा होने लगा। हम लोगों ने एक बार फिर से जम कर चुदाई की, और फिर प्रिया ने नंगी ही उठ कर किचन में जाकर हम लोगों के लिए लंच तैयार किया। लंच तैयार होने के बाद हम लोगों ने नंगे ही डाइनिंग टेबल पर बैठ कर लंच लिया। अब तक करीब साढ़े तीन बज रहे थे। प्रिया बोली, "मेरी जान... जाने का तो मन नहीं है, लेकिन क्या करूँ जाना पड़ेगा। मेरा बेटा अभी स्कूल से आता ही होगा।"

मैंने कहा, "ठीक है... अभी अपने घर जाओ, लेकिन कल पति और बेटे के जाते ही मेरे घर अपनी चूत और गाँड ले आना। मैं फिर तुम्हारी चूत और गाँड को लंड खिलाऊँगा। आओगी ना लंड खाने?"

प्रिया बोली, "जरूर मेरे चोदू राजा, कल मैं फिर से तुम्हारा प्यारा लंड अपनी चूत और गाँड को खिलवाऊँगी," और इतना कह कर प्रिया अपने घर अपनी चुदी चूत और गाँड ले कर चली गयी।

।।।समाप्त।।।

Hindi Fonts By: SINSEX XBoard.us